दिनांक 19–11–2007 को मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन की अध्यक्षता में एक आधुनिक हवाई पट्टी तथा कालान्तर में अन्य कियाकलापों के अतिरिक्त आधुनिक एविएशन यूनिवर्सिटी की स्थापना हेतु भूमि क्रय तथा निर्माण आदि के व्यय को वहन किये जाने हेतु आहूत बैठक का कार्यवृत्तः–

बैठक में उपस्थिति निम्नवत थी :–

1. सर्व श्री एस0के0 दास, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. श्री इन्दु कुमार पाण्डे ,अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
3. श्री पी0सी0 शर्मा, प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. श्री विनोद शर्मा, अपर सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
5. श्री आनंद वर्द्धन, जिलाधिकारी, हरिद्वार।
6. श्री वेदपाल सिंह, डी0एफ0ओ0 हरिद्वार।
7. श्री आनन्द शर्मा, डाइरेक्टर, रीजनल मीटरोलोजिकल सेन्टर, देहरादून।
8. श्री एस0पी0 त्रिपाठी, महाप्रबन्धक, सिडकुल, देहरादून।
9. श्री जी0 सितैइया,. अपर निदेशक/मुख्य अभियन्ता, नागरिक उड्डयन विभाग, राजकीय नागरिक उड्डयन निदेशालय, जौलीग्रान्ट एअरपोर्ट, देहरादून।
10. श्री सन्दीप सोती, हैलीकॉप्टर पायलट, राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,देहरादून।
11. श्रीमती दीप्ती मिश्रा, अनुभाग अधिकारी (प्र0)नागरिक उड्डयन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।

सर्वप्रथम बैठक में प्रमुख सचिव नागरिक उड्डयन द्वारा इस सम्बन्ध में अब तक हुई प्रगति की जानकारी दी गई तथा अवगत कराया गया कि बी0एच0ई0एल विमानन परिसर को उद्योग विभाग को प्रत्यावर्तित किये जाने के बाद इसके एवज में एक आधुनिक हवाई पट्टी तथा कालान्तर में अन्य कियाकलापों के अतिरिक्त आधुनिक एविऐशन यूनिवर्सिटी की स्थापना के सम्बन्ध में योजना उच्च स्तर से अनुमोदित की गई है। इस सम्बन्ध में निम्न बिन्दुओं पर कार्यवाही की जानी अपेक्षित है।

1– बी0एच0ई0एल विमानन परिसर का उद्योग विभाग को हस्तान्तरण :–

प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन द्वारा अवगत कराया गया कि भारत सरकार भारी उद्योग मंत्रालय की सहमति के उपरान्त बी0एच0ई0एल विमानन परिसर को वर्ष 2003 में रू0 4,88,95,000.00 की धनराशि से कुल 315 एकड भूमि तथा इस भूमि में स्थित भवन एवं हैंगर आदि का क्रय किया गया था।

विभाग द्वारा इसमें कतिपय निर्माण कार्य भी प्रारम्भ कर दिये गये थें। इसी बीच उद्योग विभाग द्वारा उच्च स्तर पर यह प्रकरण संज्ञान में लाया गया कि यह परिसर औद्योगिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस कारण उच्च स्तर पर लिये गये निर्णयानुसार नागरिक उड्डयन विभाग के शासनादेश संख्या– 181/प्र0स0ना0उ0/पी0एस0/2006. 07/IX(13)/2005-06 दिनांक 28 जुलाई, 2006 द्वारा यह भूमि उद्योग विभाग को प्रत्यावर्तित कर दी गई।

भूमि प्रत्यावर्तन के सम्बन्ध में यह निर्णय लिया गया था कि उद्योग विभाग सम्बन्धित कम्पनी से भूमि क्रय तथा निर्माण कार्य का वास्तविक व्यय नागरिक उड्डयन विभाग को उपलब्ध करायेगा। विभाग द्वारा आंकलित 667.25 लाख की धनराशि सिडकुल द्वारा राजकीय कोष में जमा कराई जानी है, जिसके सम्बन्ध में अनेक अनुस्मारक सिडकुल को प्रेषित किये गये हैं। बैठक में सिडकुल के प्रतिनिधि द्वारा चालान की प्रति सहित एक पत्र संख्या– 5393/ MD/camp/sidcul/07 दिनांक 14.3.2007 प्रस्तुत कर अवगत कराया गया कि रू0 667.25 लाख की धनराशि चालान संख्या– 3 दिनांक 12–3–2007 द्वारा जमा करा दी गई है। विचार विमर्श के उपरान्त निर्णय लिया गया कि इस प्रकरण पर अब कार्यवाही पूर्ण हो गई है।

2– <u>बी0एच0ई0एल विमानन परिसर का बाजार मूल्य व एवियेशन अकेडमी व एअरपोर्ट निर्माण हेतु व्ययभार मै0 हीरो होण्डा द्वारा वहन किया जाना।</u>

इस प्रकरण में प्रमुख सचिव नागरिक उड्डयन द्वारा अवगत कराया गया कि पूर्व में इस प्रकरण में निर्णय लिया गया था कि हीरो होण्डा नागरिक उड्डयन विभाग को समयबद्ध आधार पर हरिद्वार जनपद में ही किसी अन्य स्थान पर एक आधुनिक उड्डयन प्रशिक्षण संस्थान बनाकर उपलब्ध करायेगा। परन्तु इसके उपरान्त शासन स्तर पर पुनः समीक्षा के बाद यह निर्णय लिया गया था कि चूंकि हीरो होण्डा को भूमि क्रय के प्रकरण में किसी भी प्रकार की रियायत नहीं दी जा रही है जिस कारण कम्पनी के लिये भूमि क्रय के साथ–साथ एवियेशन अकेडमी के व्यय–भार को वहन करने हेतु सहमत नहीं होगी। इस प्रकार हीरो होण्डा द्वारा नागरिक उड्डयन विभाग को समयबद्ध आधार पर हरिद्वार जनपद में ही किसी अन्य स्थान पर एक आधुनिक उड्डयन प्रशिक्षण संस्थान को बनाने तथा उसके व्ययभार को वहन करने के प्रकरण को डी–लिंक कर दिया गया था। बैठक में इस प्रकरण पर पुनः विचार–विमर्श किया गया एवं इस पर पूर्व में लिये गये निर्णय के अनुसार पुनः सहमति दी गई कि ऐसे प्रस्ताव के व्ययभार को वहन करने हेतु कम्पनी को कहा जाना उचित नहीं होगा तथा विचारोपरान्त सर्वसम्मती से निर्णय लिया गया कि इसे डी–लिंक करते हुये इस प्रकरण को निक्षेपित किया जाता है।

3– समयबद्ध आधार पर हरिद्वार जनपद में ही किसी अन्य स्थान पर एक आधुनिक उड्डयन प्रशिक्षण संस्थान तथा एअरस्ट्रिप का निर्माण किया जायेगा

प्रमुख सचिव नागरिक उड्डयन द्वारा अवगत कराया गया कि यह योजना PPP मोड पर निर्मित की जानी है। लेकिन भूमि की व्यवस्था विभाग द्वारा ही की जानी है। अतः हरिद्वार जनपद में 04 स्थानों पर भूमि का चयन किया गया जिनमें से एक स्थल अनुपयुक्त पाया गया । शेष 03 स्थलों में से 02 निजी भूमि खण्ड है तथा एक वन भूमि है। प्रमुख सचिव नागरिक उड्डयन द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि हरिद्वार में निर्मित प्रस्तावित हवाई पट्टी एवं अन्य कियाकलापों के अतिरिक्त एक आधुनिक एवियेशन एवं मेन्टेनेन्स अकेडमी भी स्थापित की जानी है जिस हेतु न्यूनतम 470 एकड भूमि जिसकी लम्बाई 2500 मीटर तथा चौड़ाई 300 मीटर हो, की आवश्यकता है तथा आधुनिक उड्डयन संस्थान बनाते समय ऐसे स्थान का चयन किया जाना आवश्यक होगा जहां पर भविष्य में हैगर के साथ ही एक Full fledged एअरपोर्ट विकसित किया जाना भी सम्भव हो जिसके कम में डी0एफ0ओ0 हरिद्वार द्वारा हरिद्वार के पथरी ब्लॉक में औरंगाबाद, हजारा, बहादराबाद, लक्सर, खानपुर मार्ग आदि स्थानों पर मैप के माध्यम से स्थलों को दर्शाया गया। इस सम्बन्ध में मुख्य सचिव महोदय द्वारा भूमि चयन हेतु एक चयन समिति जिलाधिकारी हरिद्वार की अध्यक्षता मे गठित किये जाने के निर्देश दिये गये जिसमें जिलाधिकारी हरिद्वार के अलावा प्रमुख सचिव नागरिक उड्डयन द्वारा नामित अधिकारी तथा डी0एफ0ओ0 हरिद्वार को सदस्य नामित किया गया है। मुख्य सचिव महोदय द्वारा उक्त चयन समिति को दिनांक 29–11–2007 को साईट सलेक्शन किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है ।

4– योजना की रूपरेखा

अपर मुख्य सचिव द्वारा उक्त अकेडमी को PPP मोड पर बनाये जाने की सूचना दी गई तथा प्रस्ताव पर मुख्य सचिव महोदय द्वारा सहमति व्यक्त की गई।

अंत में बैठक सधन्यवाद सम्पन्न हुई।

(एस0एफ0 दास)
मुख्य सचिव

उत्तराखण्ड शासन
परिवहन एवं नागरिक उड्डयन अनुभाग–02
संख्या– 264/ix/182/2007
देहरादून :दिनांक 27 नवम्बर ,2007

कृपया उपरोक्त बैठक के कार्यवृत्त की प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतू प्रेषितः–

1– निजी सचिव, मुख्य सचिव,,उत्तरांचल शासन।
2– निजी सचिव, प्रमुख सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग उत्तरांचल शासन ।
3– निजी सचिव, अपर सचिव, नागरिक उड्डयन विभाग उत्तरांचल शासन ।
4– निजी सचिव जिलाधिकारी, हरिद्वार।
5– श्री वेदपाल सिंह, डी0एफ0ओ0 हरिद्वार।
6– श्री आनन्द शर्मा, डाइरेक्टर, रीजनल मीटरोलोजिकल सेन्टर, देहरादून।
7– श्री एस0सी0 त्रिपाठी, महाप्रबन्धक, सिडकुल, देहरादून।
8– निजी सचिव, अपर निदेशक, राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग उत्तराखण्ड।
9– श्री सन्दीप जोती, हैलीकॉप्टर पायलट, राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,देहरादून।
10– एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तराखण्ड देहरादून।
5– गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी0सी0 शर्मा) 23/11/07
प्रमुख सचिव।